

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और एडीबी कंट्री डायरेक्टर मियो ओका की मुलाकात

350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करने में एडीबी महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 30 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रदेश को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने में एशियन डवलपमेंट बैंक (एडीबी) महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी, निर्वाह करेगा। उन्होंने शहरी विकास और सड़क निर्माण के अलावा, अन्य क्षेत्रों में भी एडीबी के साथ साझेदारी बढ़ाए जाने पर बल देते हुए कहा कि 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए एडीबी का सहयोग महत्वपूर्ण रहेगा।

■ **सड़क तंत्र, बुनियादी ढांचे के विकास सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।**

मुख्यमंत्री ने बुधवार को एडीबी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ प्रदेश के सड़क तंत्र के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के विकास सहित, विभिन्न विषयों एवं संभावित निवेश पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकास की हमारी साझा प्राथमिकताओं में एडीबी का हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि एडीबी और राजस्थान द्वारा साथ मिलकर काम करने से रणनीतिक साझेदारी के साथ-साथ रोजगार के अवसरों को गति मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में राज्य के शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को एशियन डवलपमेंट बैंक की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका से मुलाकात की। उन्होंने एडीबी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ प्रदेश के सड़क तंत्र के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के विकास सहित, विभिन्न विषयों एवं संभावित निवेश पर चर्चा की।

आरयूआईडीपी परियोजना एवं सड़क क्षेत्र के उन्नयन के लिए राजस्थान हाईवे इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम के माध्यम से एडीबी सहयोग कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में पेयजल एवं सिंचाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एडीबी से इस दिशा में सहयोग की पेशकश की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के अंतर्गत, शहरी क्षेत्रों

में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के राज्य सरकार के संकल्प में भी एडीबी साझेदार रहेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए राजमार्ग विकास परियोजनाओं में भी एडीबी की भागीदारी रहेगी।

बैठक में कंट्री डायरेक्टर ओका ने देश में ग्रीन बजट लाने की राजस्थान की अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए, जैव विविधता, ग्रीन फाइनेंस, ग्रीन-

ऑडिट, क्लीन टेक्नोलोजी के क्षेत्रों में एडीबी के सहयोग का प्रस्ताव किया। साथ ही, रोजगार, कौशल विकास, सूक्ष्म-सिंचाई, वानिकी व पर्यावरण जैसे नवीन क्षेत्रों के वित्त-पोषण हेतु एडीबी अधिकारियों ने रूचि दिखाई।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झावर सिंह खर्रा एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

अल्ट्रा साउण्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवेदन मांगे थे। इसमें प्रावधान किया गया कि पहले राउंड में प्रदेश की मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों और सेवारत डॉक्टरों को शामिल किया जाएगा। वहीं, यदि बाद में सीटें खाली रही तो दूसरे और बाद के राउंड में प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वालों को मौका मिलेगा। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि नेशनल मेडिकल कमीशन देश में कहीं से भी एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों को योग्यता के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। पीसीपीएनडीटी नियम, 2014 के तहत, नीट पीजी के अंकों के आधार पर इस कोर्स में प्रवेश देने का प्रावधान है। यह शर्त संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के सिद्धांत का उल्लंघन है। प्रार्थी ने गुजरात से एमबीबीएस किया है और वह नेशनल मेडिकल कमीशन से मान्य है। इसलिए उसे कोर्स में काउंसिलिंग में शामिल करें। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से मामले में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को प्रथम राउंड की काउंसिलिंग में शामिल करने को कहा है।

गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुले

इसी के साथ चार धाम यात्रा का शुभारंभ हो गया है

उत्तरकाशी, 30 अप्रैल। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद अंतर्गत स्थित मां श्री गंगोत्री और श्री यमुनोत्री धाम के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के दिन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के मध्य, श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही, उत्तराखंड की चारधाम यात्रा 2025 का भी शुभारंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों धामों में कपाटोद्घाटन समारोह में संकल्प लेकर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा की और चारधाम यात्रा के सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की है। धामी यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन में पहुंचने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। इस अवसर पर गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर के ऊपर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। धार्मिक परंपराओं

■ **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर विशेष पूजा की, खासतौर पर पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से हुई।**

के अनुसार, बुधवार सुबह मां गंगा की उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची, जहां विशेष पूजा-अभिषेक के साथ, पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट पर गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गये। मां यमुना की डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम

पहुंची, जहां धार्मिक विधि- विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट दर्शनार्थ खोले गए। कपाट खुलने के अवसर पर देश, विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन किये तथा गंगा और यमुना में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। दोनों धामों के कपाटोद्घाटन समारोह में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने मां गंगा एवं यमुना के मंदिरों में शीश नवाया और विशेष पूजा-अर्चना की उन्होंने दोनों धामों में पहुंची लोक देवताओं की डोलियों से भी आशीर्ष प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया के पवन अवसर पर चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। उत्तराखंड के चारधाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केन्द्र हैं और इन धामों की यात्रा का सीमांश प्राप्त करने की आकांक्षा हर श्रद्धालु के मन में रहती है।

मंगलवार को संघ प्रमुख...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबक मिले, जिसे वे कभी भूल नहीं सकें। जातिगत जनगणना की घोषणा पर, राहुल ने कहा कि वे बहुत प्रसन्न हैं कि सरकार ने अक्षय तृतीया के दिन लोक जनगणना को अक्षय तृतीया के दिन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के मध्य, श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही, उत्तराखंड की चारधाम यात्रा 2025 का भी शुभारंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों धामों में कपाटोद्घाटन समारोह में संकल्प लेकर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा की और चारधाम यात्रा के सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की है। धामी यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन में पहुंचने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। इस अवसर पर गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर के ऊपर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। धार्मिक परंपराओं

यह भी सुनिश्चित करना चाहिये कि अनुच्छेद 15 (5) लागू हो गया है या नहीं। यह कानून निजी शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण का प्रावधान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान में यह आधारभूत अधिकार दिया हुआ है, लेकिन यह लागू नहीं हुआ है।

राहुल ने अपना अगला एजेंडा आगे बढ़ा दिया है। उन्होंने सरकार को चेताया है कि उसे जातिगत जनगणना की समय सीमा की घोषणा कर देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि यह सर्वे औपचारिक मात्र बन कर न रह जाये, बल्कि पूरी ईमानदारी से तथा सुविचारित तरीके से हो। उन्होंने कहा कि यह सर्वे तेलंगाना मॉडल के अनुरूप हो, बिहार मॉडल के अनुरूप नहीं।

राहुल गांधी ने, जातिगत घोषणा के बाद का, अपना अगला एजेंडा प्रस्तुत कर दिया है तथा यह दिलचस्पी पैदा करने वाला है। राहुल ने कहा कि उनकी इस प्रश्न में कोई रुचि नहीं है कि यह निर्णय एकाएक क्यों और कैसे लिया गया, बल्कि वे इस बात से प्रसन्न हैं कि यह निर्णय ले लिया गया है।

‘अगली जनगणना ‘जातिगत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजबूत होगा, देश प्रगति करेगा। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने पूर्व चुनाव में जातिगत जनगणना को प्रमुख मुद्दा बनाया था। राहुल गांधी ने आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने का वादा किया था।

जनगणना की कवायद अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, पर कोविड के कारण शुरू नहीं हो पाई थी।

वैष्णव ने कहा, वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया था कि जातिगत जनगणना पर मंत्रिमंडल में विचार किया जाएगा। इसके लिए मंत्रियों के एक समूह का गठन भी हुआ था क्योंकि कई दलों ने जातिगत जनगणना करवाने की मांग की थी। लेकिन कांग्रेस सरकार ने सिर्फ रख रखाव और प्रबंधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की

उक्त सर्वे को एसईसीसी के नाम से जाना जाता है।

मंत्री ने कहा, स्पष्ट है कि कांग्रेस और उसका इंडिया गठबंधन, जातिगत जनगणना के मुद्दे को राजनैतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

वैष्णव ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत जनगणना एक केन्द्रीय विषय है (संघ सूची में प्रविष्ट 69 के तहत) और केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं, कुछ ने यह कार्य अच्छे ढंग से किया जबकि कुछ ने केवल राजनीतिक मकसद से इसे अपराधशील तरीके से किया जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ।

उन्होंने कहा, “यह दिखाता है कि हमारी सरकार का हारा जवाब मिला है। अभी बहुत कुछ बाकी है।”

सिलचर से शिलांग के बीच 1 6 6 किलोमीटर लंबा गलियारा बनेगा

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में यह फैसला किया गया

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। केन्द्र सरकार ने असम के सिलचर से मेघालय के शिलांग के बीच 22 हजार 864 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या छह के 166.80 किलोमीटर लंबे गलियारे के हिस्से के विकास, रख रखाव और प्रबंधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की

समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

इसे हाइब्रिड प्पन्टी मोड पर एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जायेगा।

इस परियोजना के तहत मेघालय

■ **इस कॉरिडोर के विकास से मेन लैण्ड और गुवाहाटी से त्रिपुरा, मिज़ोरम, मणिपुर और असम के घाटी क्षेत्र से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।**

में 144.80 किलोमीटर और असम में 22 किलोमीटर हिस्सा आवेगा। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर गुवाहाटी से सिलचर तक जाने वाले यातायात के लिए सेवा स्तर में सुधार करेगा। इस कॉरिडोर के

विकास से मुख्य भूमि और गुवाहाटी से त्रिपुरा, मिज़ोरम, मणिपुर और असम के बराक घाटी क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यात्रा की दूरी और यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। यह गलियारा असम और

मेघालय के बीच संपर्क में सुधार करेगा और मेघालय में उद्योगों के विकास सहित आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, क्योंकि यह मेघालय के सीमेंट और कोयला उत्पादन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। यह गलियारा गुवाहाटी हवाई अड्डे, शिलांग हवाई अड्डे, औ सिलचर हवाई अड्डे (मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-06 के माध्यम से) से आने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को सेवा प्रदान करेगा, जो गुवाहाटी को

सिलचर से जोड़ता है। यह पूर्वोक्त में पर्यटकों के आकर्षण के सुंदर स्थानों को जोड़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा देगा। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना गुवाहाटी, शिलांग और सिलचर के बीच अंतर-शहर संपर्क में सुधार करेगी, जो री मोई, पूर्वी खासी पहाड़ियों, पश्चिम जैंतिया पहाड़ियों, मेघालय में पूर्वी जैंतिया पहाड़ियों और असम में कछार जिले से होकर गुजरती है।

भारतीय आकाश में नहीं उड़ेंगे पाक विमान

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। भारत ने बुधवार देर रात पाकिस्तान के लिए अपना एयरबेस बंद कर दिया। यानी पाकिस्तान की किसी भी तरह की फ्लाइट 23 मई तक भारतीय एयरस्पेस में नहीं उड़ सकेगी।

भारत ने पाकिस्तान के लिए “नोटिस टु एयरमैन” जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई फ्लाइट इंडियन जोन में आती है, तो उस पर एक्शन लिया जाएगा। पाकिस्तान ने 23 अप्रैल को भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का फैसला लिया था।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,

■ **भारत ने पाकिस्तान के विमानों के लिए 23 मई तक एयरस्पेस बंद करने की घोषणा की।**

विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी की हाई लेवल मीटिंग के बाद आया। यह मीटिंग एक घंटे चली।

हालांकि यह नहीं बताया गया कि एयरस्पेस बंद करने का फैसला इसी बैठक में लिया गया। एयरस्पेस बंद करने से पाकिस्तान की इस्कॉनोमी पर बड़ा असर पड़ेगा। पाकिस्तान को थाईलैंड, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका आदि देशों में नवीन क्षेत्रों के वित्त-पोषण हेतु एडीबी अधिकारियों ने रूचि दिखाई।

राष्ट्रीय सुरक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए प्र.मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत ने 2 8 8 साल की परम्परा तोड़ी, रामलला के दर्शन किए

हनुमानगढ़ी की परम्परा है कि गद्दीनशीन महंत हनुमानगढ़ी की सीमा (52 बीघा) से कभी बाहर नहीं जाते हैं

■ **अक्षय तृतीया पर गद्दीनशीन महंत प्रेमदास शोभायात्रा के साथ रामलला के मंदिर आए और रामलला को छप्पन भोग अर्पित किया।**

महत्वपूर्ण और प्रमुख होता है। गद्दीनशीन अपने जीवन काल में कभी भी हनुमानगढ़ी के सीमा 52 बीघा के बाहर नहीं निकल सकता। हनुमान जी के प्रतिनिधि के तौर पर गद्दीनशीन को माना जाता है। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन प्रेमदास जी की इच्छा के अनुसार पंचायत

के निर्णय के बाद 288 सालों के इतिहास में पहला मौका था, जब हनुमानगढ़ी का कोई गद्दीनशीन रामलला का दर्शन करने के लिए गए। इस दौरान अयोध्या के साधु संतों में खासा उत्साह दिखा। 51 जगह पर पुष्प वर्षा के साथ शाही जुलूस का स्वागत किया गया। प्रेमदास ने रामलला के दर्शन की इच्छा जताई थी। कहा था- मेरे सपने में हनुमान जी आए थे। उन्होंने रामलला के दर्शन करने का आदेश दिया था। इसके बाद उन्होंने अखाड़े के सभी सदस्यों की 21 अप्रैल को बैठक बुलाई। इस बैठक में परंपरा बदलने के फैसले पर मुहर लगी। तय हुआ, प्रेमदास रामलला के दर्शन करने जाएंगे। संत प्रेमदास 2016 में हनुमानगढ़ी के 22वें गद्दीनशीन महंत बने थे।

हाई कोर्ट ने तलाकशुदा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) याचिकाकर्ता की मां की भी मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता का अपने पति से तलाक हो गया था और कोर्ट से नवंबर, 1979 में तलाक की डिक्री जारी होने के बाद से वह अपने माता-पिता के साथ ही रहती आ रही थी। मां के निधन के बाद याचिकाकर्ता ने साल 2019 में फैमिली पेंशन के लिए विभाग में प्रार्थना पत्र दिया, जिसे विभाग के अफसर एक दूसरे को भेजते रहे, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इस पर याचिकाकर्ता ने

तलाकशुदा पुत्री वर्ग में फैमिली पेंशन लेने के लिए पुनः प्रार्थना पत्र दिया। याचिका में कहा गया कि बीते करीब चार साल से विभाग न तो उसके प्रार्थना पत्र का निस्तारण कर रहा है और न उसे फैमिली पेंशन जारी कर रहा है। याचिका पर सुनवाई के दौरान, शिक्षा विभाग की ओर से मामले में अपना जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया।

इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को तलाकशुदा पुत्री वर्ग में फैमिली पेंशन जारी करने के आदेश दिए हैं।

दुष्कर्म पीड़िता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) नहीं रखना चाहती है। ऐसे में उसे 20 सप्ताह के भ्रूण का गर्भपात कराने की मंजूरी दी जाए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में एसएमएस अस्पताल की ओर से पीड़िता का परीक्षण कर मेडिकल रिपोर्ट अदालत में पेश की गई। जिसमें माना गया कि पीड़िता के 20 सप्ताह का गर्भ है। वहीं, यदि उसका गर्भपात किया गया तो उसका कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि पीड़िता को खून की कमी है।

पाकिस्तान ने पांचवे दिन भी सीमा पर फायरिंग की

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। पाकिस्तानी सेना ने लगातार पांचवें दिन मंगलवार रात को भी जम्मू- कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों में नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। सेना के प्रवक्ता ने बुधवार सुबह बताया कि इसके अलावा पाकिस्तानी

■ **सेना के प्रवक्ता ने बताया कि कश्मीर में एलओसी पर पाकिस्तान की फायरिंग सेना ने करारा जवाब दिया।**

सेना की चौकियों से बारामुला और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा के पार से और परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार से भी बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। भारतीय सेना के जवानों ने तेजी से और अनुपातिक रूप से इसका उचित जवाब दिया।

अमेरिका की जीडीपी 0.3 प्रतिशत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आएगा और जब ऐसा होगा तो यह बहुत ऊँचाई तक जाएगा।

हालांकि, शेयर बाजार राष्ट्रपति की बातों से सहमत नहीं लग रहा। प्रमुख बाजार सूचकांकों में तेज गिरावट आई है। डाओ जॉन्स इण्डेक्स, जो व्यापक आर्थिक क्षेत्रों का मापदंड है, 400 अंक (या एक प्रतिशत) गिर गया।

अन्य दो प्रमुख सूचकांक, एसएंडपी 500 में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई, और तकनीकी कंपनियों वाले नैसडैक में 2.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट शेयर बाजार की समग्र गिरावट को दर्शाती है। पिछली बार इतनी व्यापक गिरावट 2007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान देखी गई थी।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था कई मायनों में भारत जैसी है। यहां भी घरेलू उपभोग व्यय (डॉमेस्टिक कंजम्पशन

एक्सपेंडिचर) अर्थव्यवस्था की गति तय करता है। जी.डी.पी. ऑकड़े उपभोक्ता के विश्वास की स्थिति को दर्शाते हैं। इस वर्ष की पहली तिमाही में उपभोक्ता खर्च में केवल 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इसके पहले के तीन महीनों में यह 4 प्रतिशत थी। यह दर्शाता है कि उपभोक्ता विश्वास किस हद तक आहत हुआ है और डिस्पोजेबल इन्कम (खर्च करने योग्य आय) में किस हद तक मंदी देखी जा रही है।

दूसरी ओर, कर्न्ट अकाउन्ट डैफिसिट (‘चालू बजट घाटा’) भी बढ़ रहा है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च में अमेरिकी माल में यू.एस. ट्रेड डैफिसिट 9.6 प्रतिशत बढ़कर 162 2007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान देखी गई थी।

यानी अमेरिका अभी भी अपने निर्यात से ज्यादा आयात कर रहा है- यह उस स्थिति के बिल्कुल विपरीत है